Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 20-04-2005

Participants : Singh Shri Rajiv Ranjan

Title: Need to take suitable steps to develop irrigation facilities with a view to boosting agricultural production in the country.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, दसवीं पंचर्वीय योजना की मध्यावधि समीक्षा के बाद जो तथ्य सामने आए हैं, वह देश के लिए शुभ संकेत नहीं है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने स्वयं इस बात को स्वीकारा है कि दसवीं पंचर्वीय योजना के दौरान विकास की वार्षिक दर सात फीसदी ही रह पाएगी, जो लक्ष्य से बहुत कम है। लक्ष्य से कम विकास की दर का अर्थ है कि देश में जो रोज़गार के अवसर सृजन करने का लक्ष्य था, वह पूरा नहीं होगा। परिणामस्वरूप देश में बेरोज़गारी बढ़ेगी। वार्षिक विकास की दर का लक्ष्य प्राप्त न कर पाने का सबसे बड़ा कारण है कृषि क्षेत्र में उत्पादन की कमी। जो उत्पादन चार फीसदी की दर से बढ़ना चाहिए था, वह मात्र 1.5 फीसदी की दर से बढ़ा है। भारत कृषि प्रधान देश है और यहां की 60 फीसदी आबादी आज भी खेती पर निर्भर है। अतः खेती का विकास ही देश का विकास हो सकता है। खेती के विकास में सिंचाई की ही मुख्य भूमिका होती है। दुर्भाग्य से देश में विकास के लिए जो बुनियादी ढांचे की सरकारी मान्यता है, उसमें सिंचाई का स्थान नहीं है। सिंचाई की अनदेखी का ही परिणाम है कि कृषि प्रधान देश में कृषि का उत्पादन गिरावट की ओर है।

मेरा सरकार से आग्रह है कि यदि देश में विकास की दर लक्ष्य के आधार पर पानी है तो कृषि की अब अनदेखी समाप्त होनी चाहिए और सिंचाई को बुनियादी ढांचे में सर्वोपरि स्थान दिया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र के विकास की ओर सरकार का ध्यान केन्द्रित हो।